B.A Part I Sociology (Hons.)
Paper II - Social Thinker
13/04/2020 Topic - Impact of Protestant ethics on development of Capitalism
By - Himanshu Shekhar

पूंजीवाद के विकास में प्रोटेस्टेण्ट धर्म का प्रभाव—

(1) प्रोटेस्टेण्ट आचार में कर्म ऐसी क्रिया या आचरण है जिसे करना उचित है। कर्म ही पूजा है या परिश्रम से ही ईश्वर की प्राप्ति हो सकती है— ये आचार प्रोटेस्टेण्ट धर्म के हैं और इनकी बहुत बड़ी देन पूंजीवाद के विकास में है।

(2) प्रोटेस्टेण्ट धर्म में व्यावसायिक आचार को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। प्रोटेस्टेण्ट आचार के मुताबिक व्यक्ति को मुक्ति केवल गिरजाघर जाने या तीर्थ यात्रा करने से ही नहीं बल्कि अपने कर्मों या व्यवसायों को उचित ढंग से करने से ही मिल सकती है।

(3) प्रोटेस्टेण्ट आचार के अनुसार धन से धन कमाया जाता है। धन का विनियोग धन, जिसमें कि सूद के रूप में प्राप्त धन भी सम्मिलित है, कमाने के लिए किया जा सकता है।

(4) शराबखोरी को बुरा बताया और ईमानदारी को ऊँचा पद प्रदान किया।

(5) प्रोटेस्टेण्ट आचार आर्थिक छुट्टी के पक्ष में नहीं है। कर्म ही आराधना है।

इस प्रकार प्रोटेस्टेण्ट धर्म और उसका आर्थिक आचार वह प्रभावशाली कारक है जो पूंजीवाद के विकास में बहुत सहायक रही है।